भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

31.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1590 का उत्तर

बीएनआर के तहत सर्वेक्षण

1590. श्रीमती मालविका देवी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार नई रेल लाइनें शुरू करने के लिए कोई योजना बना रही है जो व्यवहार्य हो और जिनका बीएनआर के तहत सर्वेक्षण किया गया था;

(ख) क्या रेल, ग्रामवासियों के लिए यातायात का सबसे सस्ता साधन है तथा रेल द्वारा अधिक से अधिक गांवों को जोड़ने हेतु योजना का ब्यौरा क्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्यार भारत में कोविड काल के दौरान बंद किए गए रेल ठहरावों, विशेषकर कालाहाण्डी और नुआपाड़ा में, पुनः बहाल करने की कोई योजना का ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

बीएनआर के तहत सर्वेक्षण के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्रीमती मालविका देवी के अतारांकित प्रश्न सं. 1590 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य/ग्राम-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, शहरों, कस्बों और गांवों से कनेक्टिविटी सहित सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोणों, पर्यटन और सांस्कृतिक स्थलों से संपर्कता में वृद्धि आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं की देयताओं, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों आदि पर निर्भर करता है।

वर्तमान में, विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचनात्मक विकास के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर योजना (एनएमपी) के अंतर्गत भारतीय रेलवे में दक्षिण पूर्व रेलवे (पूर्ववर्ती बी एन आर) सहित विभिन्न क्षेत्रीय रेलों में 49983 किलोमीटर की कुल लंबाई के 651 अदद सर्वेक्षण (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) शुरू किए गए हैं। इसका उद्देश्य एकीकृत योजना बनाना, लॉजिस्टिक दक्षता संवर्धन और औद्योगिक समूहों, बंदरगाहों, खदानों, बिजली संयंत्रों, गांवों आदि से कनेक्टिविटी सहित लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही के लिए अंतराल को दूर करना है।

(ग) और (घ): भारतीय रेल ने आईआईटी-मुंबई के सहयोग से वैज्ञानिक तरीके से गाडियों के ठहराव सहित समय सारिणी को युक्तिसंगत बनाने का कार्य शुरू किया है। यह प्रक्रिया, अन्य बातों के साथ-साथ, अनुरक्षण कॉरिडोर ब्लॉक बनाकर, मौजूदा समय-सारिणी इत्यादि में विसंगतियों को कम करके बेहतर यात्री सुरक्षा प्रदान करने के लिए की गई है। नवंबर-2021 से, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवाएं युक्तिसंगत समय-सारिणी और ठहराव के अनुसार परिचालित की जा रही हैं। बहरहाल, भारतीय रेल पर रेलगाड़ी सेवाओं के ठहराव का प्रावधान सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन है।

******